झुग्गी झोंपड़ी वाले रहते हुए मिलेगें। सुबह अगर आप उधर निकल जाइये तो आप को रेलवे लाइन के दोनों ओर खाली जगहों पर यह झुग्गी झोंपड़ी वाले पाखाना करते हुए मिलेंगे। ज़ाहिर है कि जो भी विदेशी यह सुबह का दृश्य देखेगा, इनसैनिटेशन की हालत देखेगा वह भारतवर्ष के सम्बन्ध में एक गलत इम्प्रेशन लेकर जायेगा तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या रेलवे डिपार्टमैंट की ओर से आप ने कोई इस प्रकार की व्यवस्था की है कि इस कालोनी में सैनिटेशन, पानी व लैट्रिंग का माकूल इन्तजाम हो। क्या सरकार इस तरह से जो अनधिकृत लोग वहां पर रहते हैं और जिनके कारण चोरियां भी होती हैं उसके बारे में कोई माकुल प्रबन्ध करेगी।

SHRI PARIMAL GOSH : It is a fact that there has been quite a number of unauthorised encroachments on the railway colonies. In 1967 we had about 211 such encroachments. Now, the matter has been taken up by the Delhi Administration. They have taken it up in a phased programme because according to the Home Ministry's circular they have to provide alternative housing arrangements to the jhuggi people before they could be evicted from that area. As such, the number has come down to 55. I have no doubt in my mind that within a very short time, in a planned manner, all these jhuggies could be eliminated from the railway colonies in that area.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Enforcement of Total Prohibition

*181. SHRI P. C. ADICHAN : Will the Minister of LAW AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether any target dates have been fixed for the enforcement of total prohibition in the different States and Union Territories; and

(b) if so, when the whole country is likely to go dry ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE (DR. (SHRIMATI) PHULRENU GUHA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

अस्पृश्यता का उन्मूलन

*188 **श्री क० मि० मधुकर** : क्या **विधि तथा समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री ने दिल्ली में सम्वाददाताओं को बताया है कि वर्ष 1970 से 1980 तक की अवधि को अस्पृश्यता उन्मूलन दशाब्दी के रूप में मनाया जाना चाहिये;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या सरकार का विचार अस्पृश्यता को दूर करने के लिये राष्ट्रीय, राज्य, जिला, खण्ड तथा ग्राम स्तर पर सर्वदलीय समितियां बनाने का है;

(घ) यदि हां, तो इन समितियों का स्वरूप क्या होगा और उनके कार्यक्रम क्या होंगे; और

(ङ) यदि नहीं, तो मंत्री महोदय के उपर्युक्त वक्तव्य का क्या महत्व है ?

विधि मंत्रालय तथा समाज कल्याण विभाग में उप-मंत्री (श्री मुख्याल राव) : (क) नहीं, श्रीमान।

(ख) प्रश्न नहीं उठता

(ग) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ) **तथा** (ङ). प्रश्न नहीं उठते।

Consumption of finished Steel

*189. SHRI S.R. DAMANI :- Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) the total annual consumption of finished steel in the country during the last three years ;

(b) how much of it is met by indigenous production and how much by imports with quantity and value;

(c) the quantity of alloy and special steels consumed and their indigenous production and import with quantity and value; and

(d) the proposals under the Fourth Five Year Plan for stepping up production of finished steel, alloy and special steels?

THE MINISTER OF STEEL & HEAVY ENGINEERING (SHRI C.M. POONACHA): (a) and (b). A statement (statement 'A') is placed on the Table of the House [*Placed in Library. See* No. LT-1407/69]. Value of indigenous production is not available, as it is not collected from the producers.

(c) A statement (statement 'B') is placed on the Table of the House [*Placed in Library. See* No. LT-1407/69]. Value of indigenous production has not been indicated in the statement for the reason mentioned in (a) above.

(d) Proposals for the Fourth Five Year Plan include:

(i) achievement of at least 90% of the capacity already installed;

(ii) expansion of Bhilai Steel Plant from its existing capacity of 2.5 million tonnes to 3.2 million tonnes;

(iii) expansion of Indian Iron & Steel Company Limited from 1.0 to 1.3 million tonnes;

(iv) completion of the first stage of Bokaro Steel Plant of 1.7 million tonnes of ingot steel equivalent to 1.34 million tonnes of finished steel;

(v) further expansion of Bokaro Steel Plant;

(vi) additional capacity for production of plants.

***इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री द्वारा भारी इंजीनियरी निगम तथा अन्य उपक्रमों का निरीक्षण**

*190. **श्री विभूति मिश्र :**
श्री रवि राय :
श्री एन० शिवप्पा :
श्री रा० की० अमीन :
श्री मीठा लाल मीना :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्री जुल्फिकार अली खाँ :
श्री प्र० के० देव :

क्या **इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने जून, 1969 के पहले सप्ताह में राँची स्थित हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन समेत सरकारी-क्षेत्र के कुछ उपक्रमों का निरीक्षण किया था;

(ख) यदि हाँ, तो निरीक्षण के दौरान जो तथ्य उनके सामने आये उनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) स्थिति में सुधार करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा): (क) से (ग). राँची, बोकारो एवं दुर्गापुर स्थित अपने मन्त्रालय के सरकारी उपक्रमों के कार्यकरण की सीधी जानकारी के लिए मैंने २ से ७ जून १९६९ तक उनका दौरा किया। राँची में मैंने भारी इंजीनियरी कारपोरेशन के तीनों कारखानें, फाउण्ड्री फोर्ज प्लांट, भारी मशीनें बनाने का कारखाना और भारी मशीनी औजारों का कारखाना, तथा हिन्दुस्तान स्टील का केन्द्रीय इंजीनियरी एवं रूपांकन संस्थान देखा। बोकारो में मैंने निर्माणाधीन कारखाना देखा। दुर्गापुर में मैंने इस्पात कारखाना, मिश्र-इस्पात कारखाना तथा माइनिंग एन्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन